बाबा सेम घाटे आला

मैं झालापुरी में आया,
जब भर के नजर लखाया मेरे वो है मन रूप भाया मेहंदीपुर वाला,
बाबा सेम घाटे आला,

यु तन पे लाल लंगोटा से काँधे पे भारी सोटा से
कोई बाल रूप कति छोटा से ,
देख्या बाला बाबा सेम घाटे आला,

तुम सुबह शाम चिठा लावे तू बूंदी के लड्डू खावे,
तू बैठ राम के गुण गावे फेरे माला,
बाबा सेम घाटे आला,

तू सब के कष्ट मिटावनिया भुता को मार गिरावनिया,
संजीवन बूटी ल्यावानिया तन से जाड़ा,
बाबा सेम घाटे आला,

जो राम अवतार निराला जी सब सेरवर माथेर वाला जी,
अशोक भगत का बाला जी संकट काटा,
बाबा सेम घाटे आला,

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/15273/title/baba-same-ghaate-aala

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |